बिहार सरकार

पर्यावरण एवं वन विभाग

[हरियाली मिशन]

"मुख्यमंत्री निजी पौधशाला योजनान्तर्गत "

2013

अन्य प्रजाति के पौधशाला

सामान्य पौधशाला के 9 स्तंभ

पौधशाला की तैयारी

स्थल को साफ कर लें।

जमीन ढ़लवां हो एवं जल जमाव न हो

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

पौधशाला की रूप रेखा

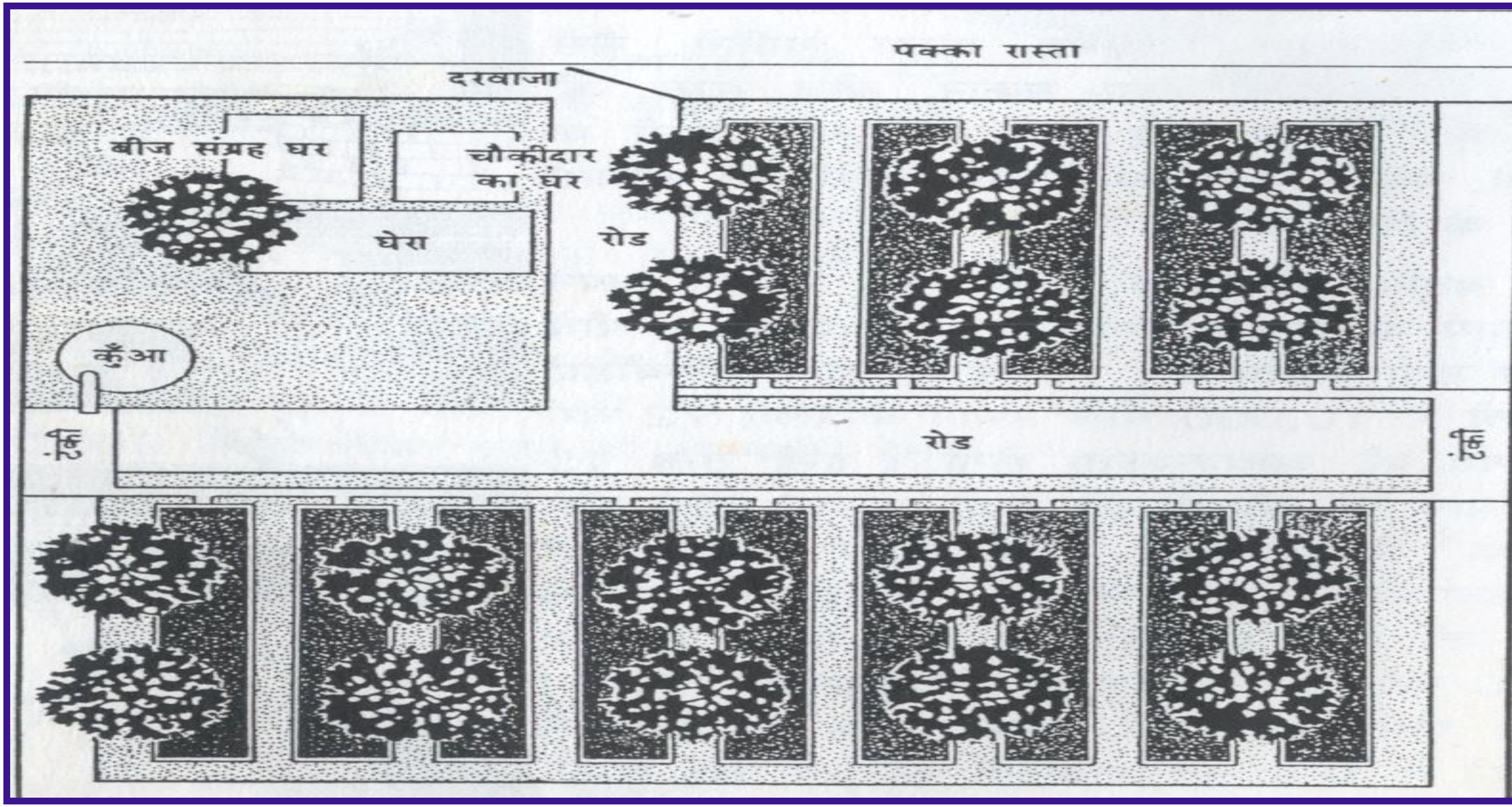

★कपड़े पर बनवाकर रजिस्टर में संधारित करें।

घेरा बनाना

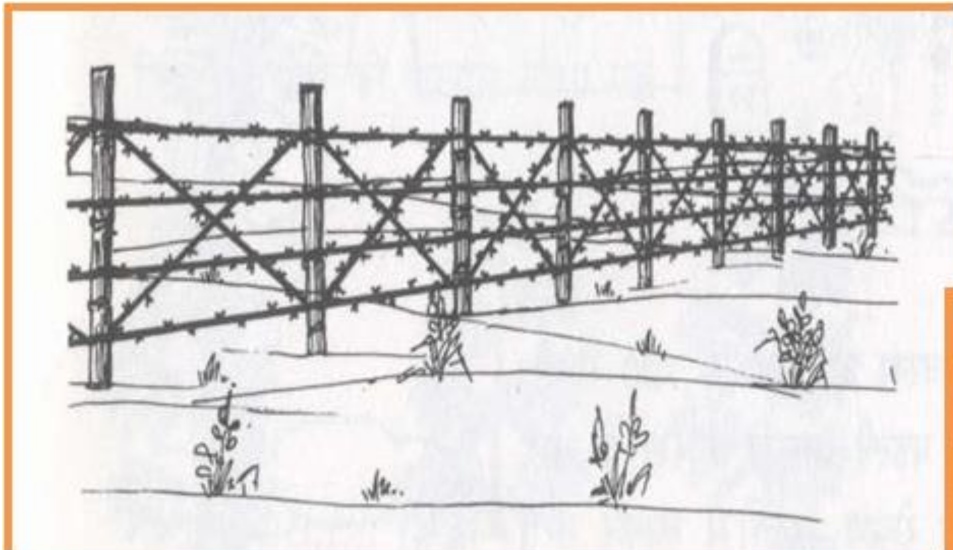

- मवेशी से पौधशाला को नुकसान होता है। अतः घेरा बनाना हितकारी रहता है।

बीज बोने के लिए क्यारी की तैयारी

क्यारी का निर्माण पूरब से पश्चिम दिशा में ।

1. माप रस्सी की मदद से।

2. जमीन की सतह से नीचे बेड़ के लिए खड्डा बनाए

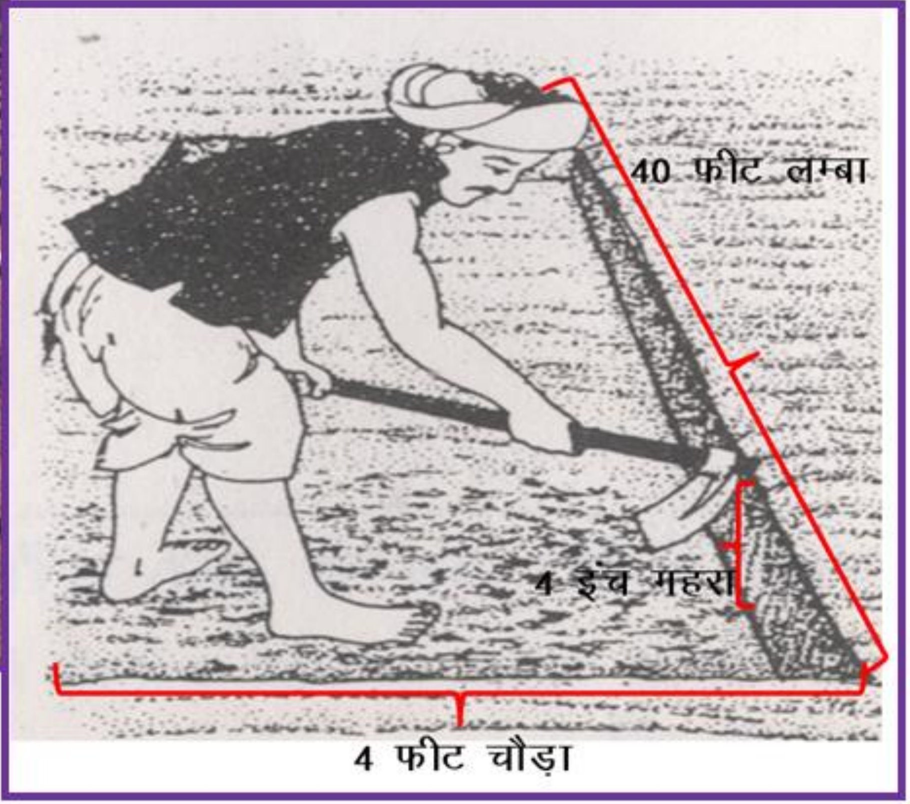

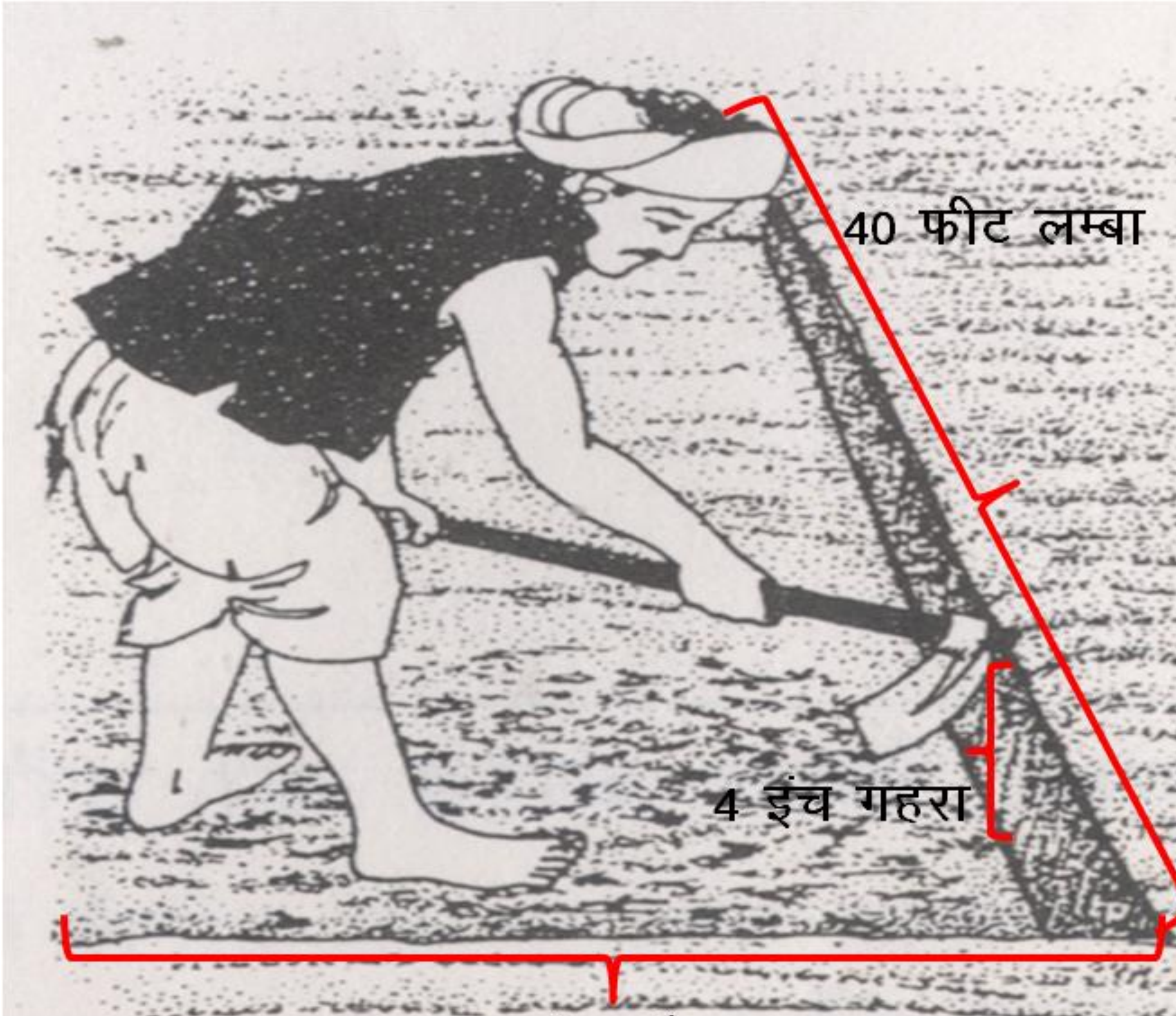

4 फीट चौड़ा

मिटटी एवं खाद की तैयारी

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

मिटटी एवं गोबर खाद को पहले भूर–भूरा करें

हरेक क्यारी के लिए 8–10 टोकरी देसी खाद
1 किलों में 5 प्रतिशत अल्ट्रेक्स पाउडर मिला दें।

तीन भाग मिट्टी में एक भाग बालू मिला दें।

बीज बोने के लिए क्यारी की तैयारी

- दो क्यारियों के बीच 1.5 फीट की दूरी।

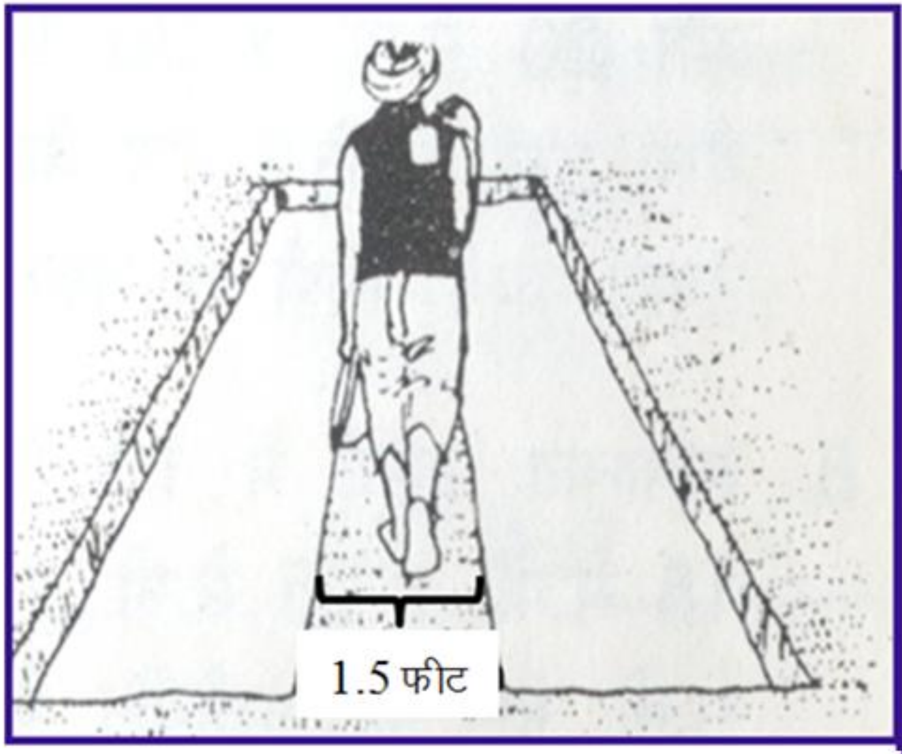

- काम करने मे सुविधा

बीज बोने के लिए क्यारी की तैयारी

अब प्रत्येक क्यारी में तैयार मिश्रण को रखें ।

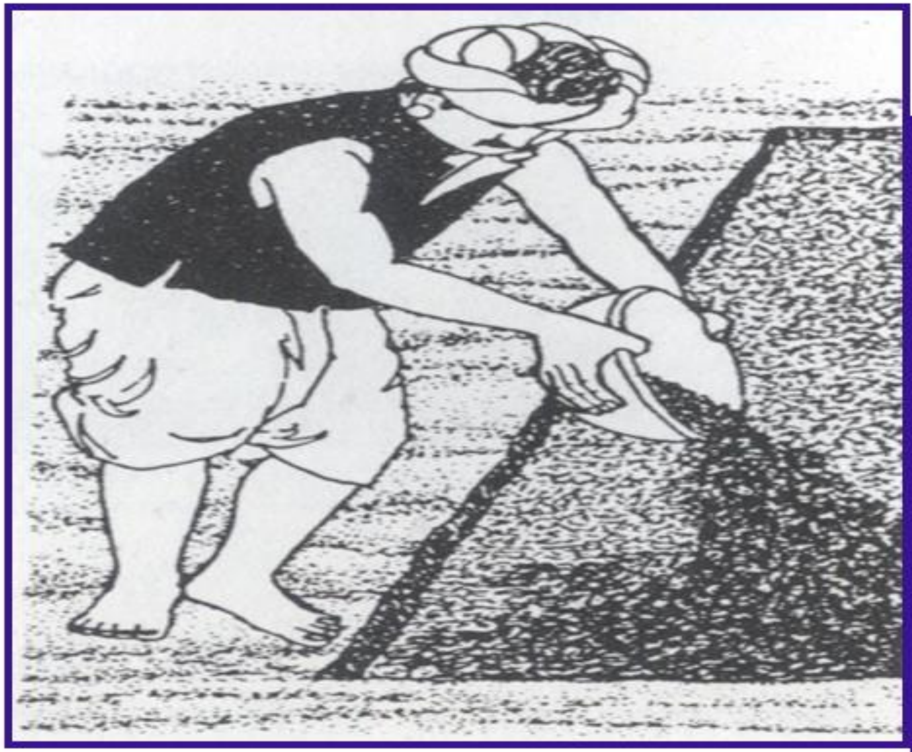

फिर बेड़ के मिट्टी को समतल कर लें ।

बेड़ अब बीज बोआई के लिए तैयार हो गया

ट्यूब बैग रखने के लिए क्यारी की तैयारी

•क्यारी का निर्माण पूरब से पश्चिम दिशा की लम्बाई में करें ।

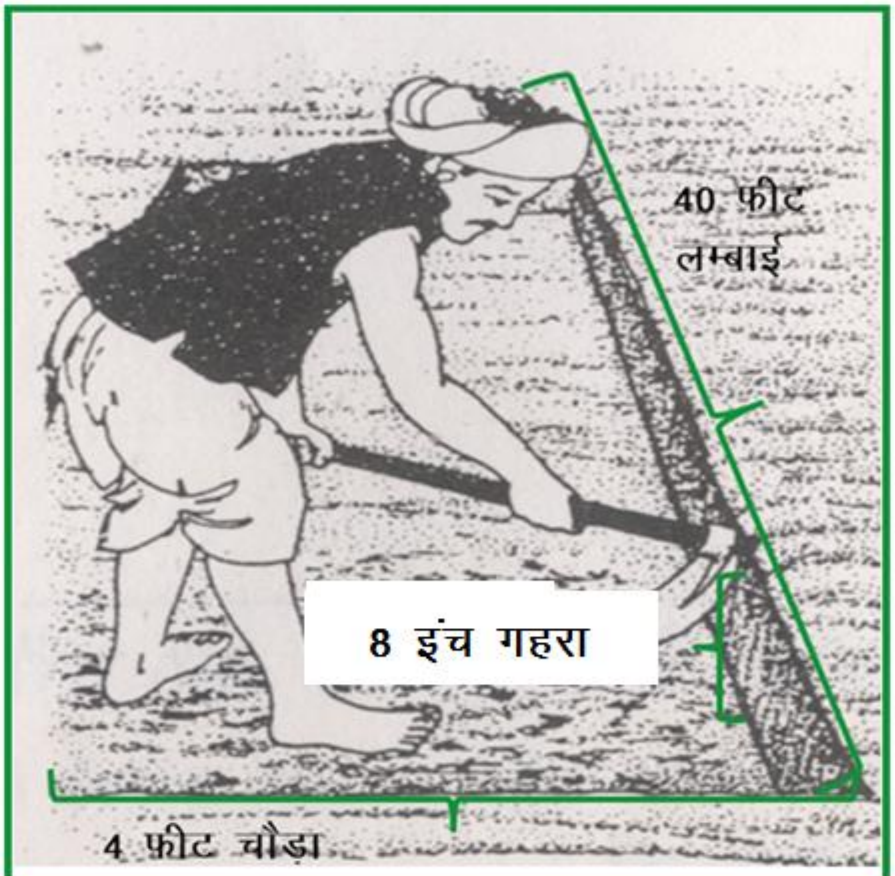

40 फीट लम्बाई, 4 फीट चौड़ा के माप के क्यारी को 8 इंच गहरा खोद लें।

- क्यारी की गहराई पॉलीथीन थैली की लम्बाई से 3 इंच (7.5 सेमी0) कम होनी चाहिए।

ट्यूब बैग रखने के लिए क्यारी की तैयारी

➢दो क्यारियों के बीच 45 सेमी0 की दूरी।

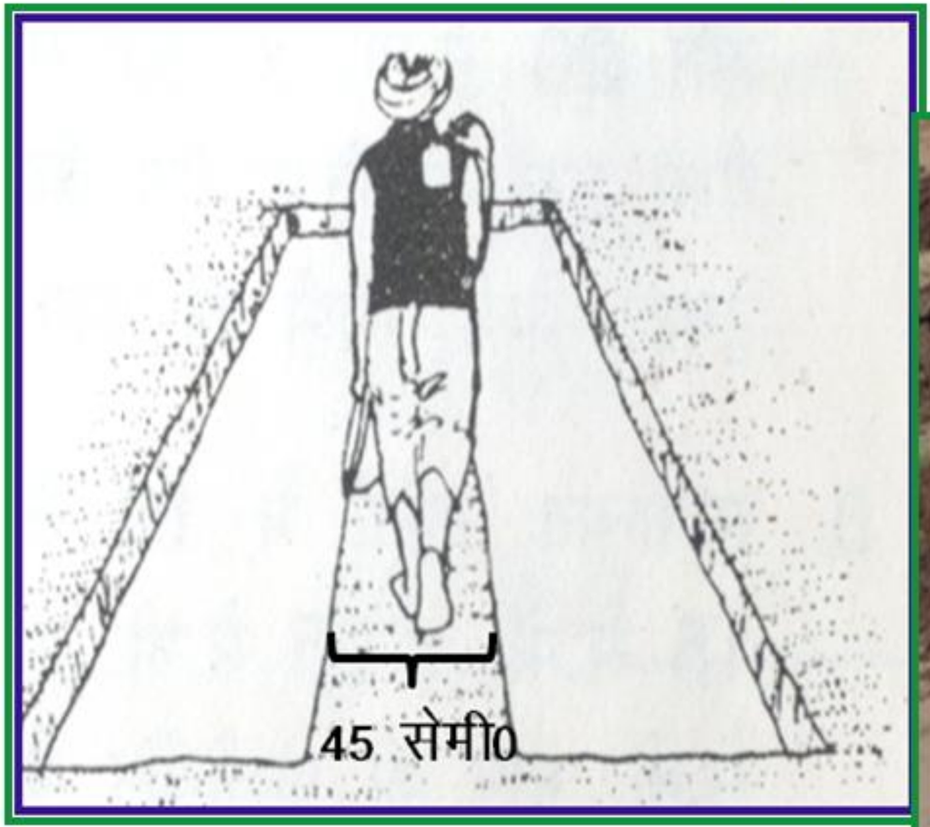

ट्यूब बैग रखने के लिए क्यारी की तैयारी

क्यारी को समतल कर लें ।

अब पॉलीथीन अथवा 3 इंच बालू का तह विछा दें

टूयूब बैग रखने के लिए बेड़ तैयार

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

क्यारी के लिए ट्यूब बैग की तैयारी

➤बीज बोआई से पूर्व पॉलीथीन टूयूब की तैयारी

छोटा टूयूब

बडा टूयूब

पॉलीथीन बैग में छेद करें ।

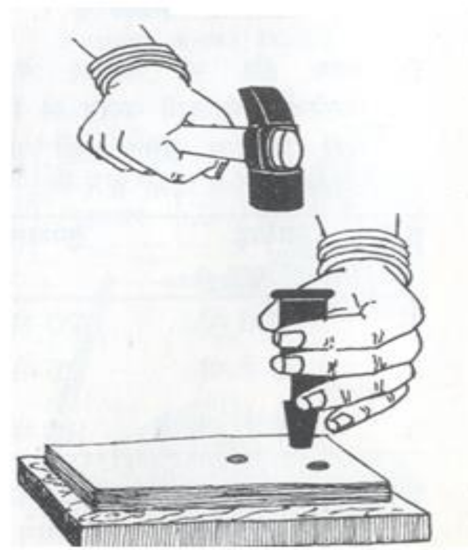

तैयार पॉलीथीन टूयूब

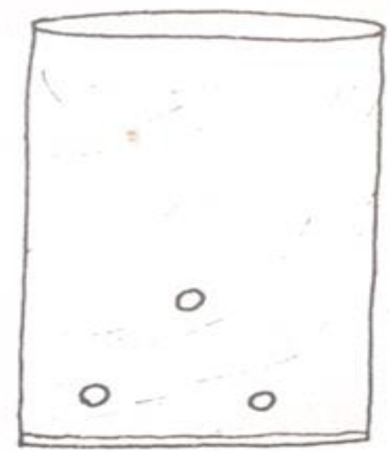

ट्यूब बैग के लिए मिट्टी एवं खाद की तैयारी

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

•पॉलीथीन थैली में भरने के लिए हमेशा उपजाऊँ मिट्टी का इस्तेमाल करें।

•मिट्टी लाने के बाद मिट्टी को
• मसीन कर चलनी से छान ले
• जिससे घास, कचरा, कंकड़,
•वगैरह दूर हो जाते हैं।

•मिट्टी–बालू एवं गोबर का मिश्रण 2:1:1

बेड के लिए ट्यूब बैग की तैयारी

तैयार मिटटी को ट्यूब वाले बेड़ में रखें

➢तैयार मिटटी को ट्यूब में भरें।

टूयूब भरते जाए और उसी बेड में सजाते जाए ।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

बेड के लिए ट्यूब बैग की तैयारी

बडें टूयूब में तैयार मिटटी की भराई ।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग
ENVIRONMENT & FOREST DEPT., GOVT. OF BIHAR

बेड के लिए ट्यूब बैग की तैयारी

वैज्ञानिक ढंग से टूयूब को सजा दें ।

बेड़ में बिचडा तैयार करने के बाद स्थानांतरित या बीज को सीधा इसी में बोया जा सकता है।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

पौधशाला में पौधे तैयार करने की तीन विधियाँ

1
- मदर बेड द्वारा

2
- ट्यूब बैग में बीज द्वारा

3
- ट्यूब बैग में कटिंग द्वारा

➢क्यारी में बीज उगाकर पॉलीथीन की थैली में पौधे बदलना

➢जिनका बीज छोटा या सूक्ष्म होता है।

➢अमरूद, बकैन, अर्जुन, नीम, बहेड़ा, बाँस, महारूख, शीशम, सफेदा (यूकेलिप्टस), सेमल, सागवान, स्टरकुलिया, जड़हुल, हरसिंगार, आँवला, बोटलब्रश, पीपल, पाकड़, खिड़नी।

➢बीज को सीधे पॉलिथीन में

➢आँवला, इजरैली, बबूल, खैर, गोरम, ईमली, जकरंडा, पपीता, जामून, बेर, शरीफा, सिरिश, गुलमोहर, महोगनी, कचनार, कनक चम्पा, रीठा, हर्रे, बहेड़ा, करंज, नीम, महुआ, मॉलश्री, पुत्रजिवा, सुबबूल एवं अमलतास आदि।

➢कटिंग से पौधा तैयार करना

➢सागवान, शीशम, गम्हार, सेमल, बरगद, कनेर, शहतूत, सहजन एवं पॉप्लर आदि।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

1

• मदर बेड द्वारा

➢बीज बोने का तरीका और समय उसकी प्रजाति पर निर्भर करता है।

उपचारित बिजों को तैयार बेड में छिड़काव करें ।

➢बीज छिडकने के बाद उसे मिटटी से हल्का ढ़क दें ।

छाजन एवं सिंचाई प्रबंधन

बेड में बीज का छिड़काव के बाद छाजन/मचान से ढ़क दें ।

झरना से हल्का सा पानी सिंचे।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग
ENVIRONMENT & FOREST DEPT., GOVT. OF BIHAR

बेड से निकले नवजात पौधे

नवजात पौधों का ट्यूब में स्थानान्तरण

बिचड़े निकालने से पूर्व एक बार गहरी सिंचाई कर लें ।

लकड़ी से किया हुआ गडढ़ा पौधों की जड़ से ज्यादा गहरा होना चाहिए।

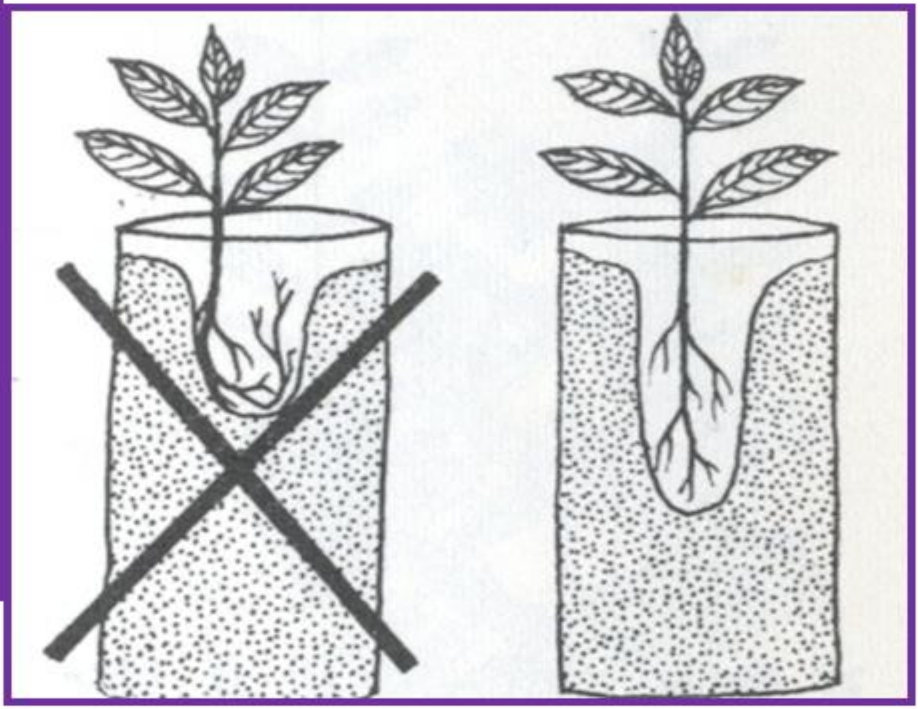

जड़ सिधा रहे।

बेड से बिचड़ा निकालने की विधि

नवजात पौधे को
हल्के हाथो से पकड़ें ।

नुकीली लकड़ी की मदद
से पौधा निकालें ।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग
ENVIRONMENT & FOREST DEPT., GOVT. OF BIHAR

बेड से बिचड़ा निकालने की विधी

बेड से स्वस्थ नवजात पौधा ही निकालें ।

ध्यान रहे पौधा का जड़ टूटे नहीं ।

ट्यूब में बिचड़ा रोपण

1

2

टूयूब में लकड़ी की मोटी छड़ी से छेद करने के बाद पौधे डाल दें।

पौधे डाल कर मिट्टी दबा दें।

3

छाजन / मचान प्रबंधन

टूयूब में बिचड़ा बोआई के बाद पुआल से हल्का ढ़क दें या मचान बना लें ।

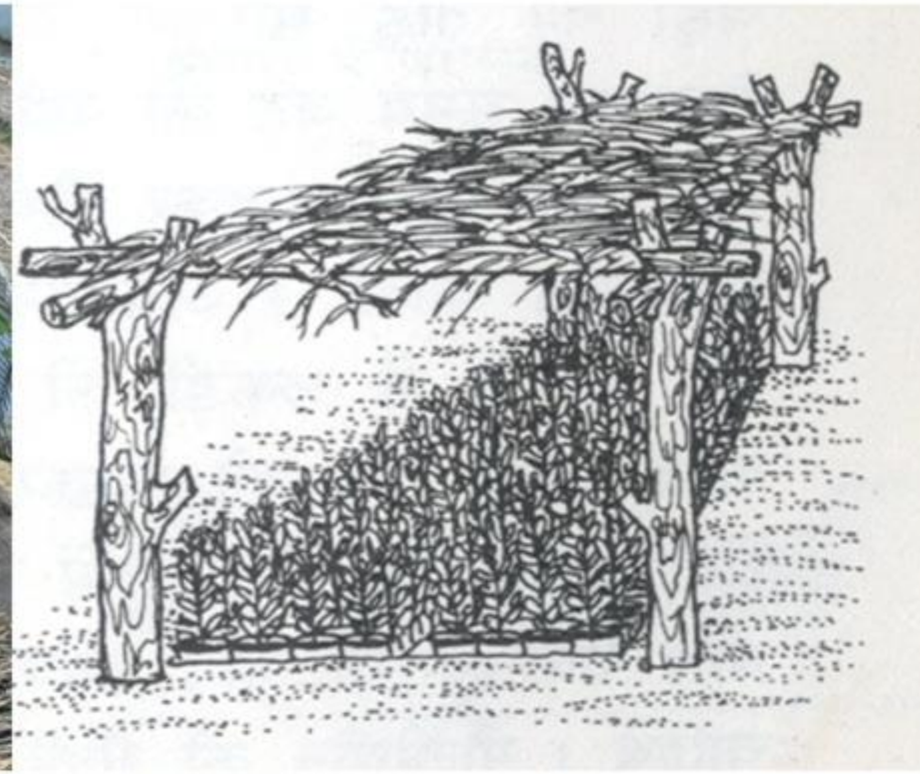

नव–अंकुरित पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए छाया जरूरी है।

बोर्ड एवं सिंचाई प्रबंधन

प्रत्येक क्यारी के सामने बोर्ड लगा दें ।

समय पर अच्छे झरना से आवश्यक्तानुसार पानी पटावें ।

प्रदूषित जल या गंदा जल का प्रयोग नहीं करें।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

2 ट्यूब बैग में बीज द्वारा

तैयार ट्यूब में पहले बीज के अनुसार उचित गहराई कर लें।

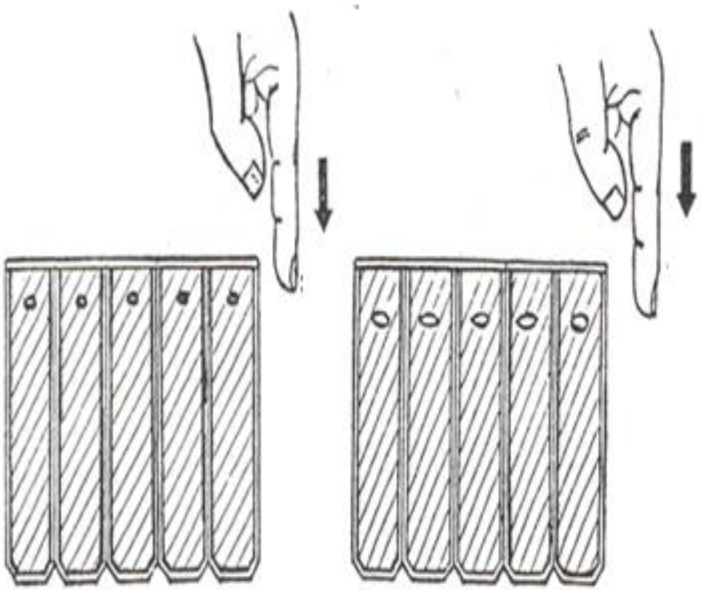

अब दो या तीन उपचारित बीज को ट्यूब में बो दें।

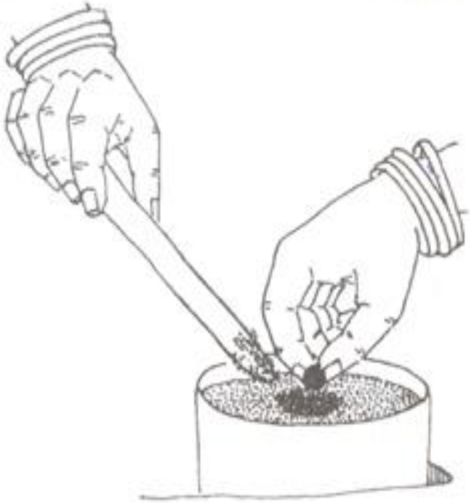

बीज बोने के बाद उन्हें मिट्टी से ढक दें।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

ट्यूब का रख–रखाव प्रबंधन

बीज बोए ट्यूब को बेड में सजा कर पुआल से छाजन या मचान बना कर ढ़क दें ।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

बोर्ड लगाना

प्रत्येक क्यारी के सामने पौधे के नाम का एक बोर्ड लगा दें ।

सिंचाई प्रबंधन

समय समय पर पानी देते रहें ।

प्रदूषित जल या गंदा जल का प्रयोग नहीं करें।

3

• ट्यूब बैग में कटिंग द्वारा

तैयार ट्यूब में कटिंग रोपण करें।

ध्यान दे कि कटिंग की मोटाई अंगूठे के बराबर हो।

कटिंग रोपण से पूर्व ट्यूब को हल्का सिंचें।

सिंचाई प्रबंधन

रोपण के बाद फिर हल्का सिंचे ।

बोर्ड प्रबंधन

प्रत्येक क्यारी के सामने पौधे के नाम का एक बोर्ड लगा दें ।

वर्गीकरण (ग्रेडिंग)

पौधो के वर्गीकरण में हम खाली टूयूब एवं पौधा वाले टूयूब को अलग–अलग छाट लेते हैं ।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग
ENVIRONMENT & FOREST DEPT., GOVT. OF BIHAR

पौधो का वर्गीकरण (ग्रेडिंग)

एक प्रजाति एक ही बेड में रहे।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

वर्गीकृत क्यारी

क्यारियों से समय–समय से घास निकालते रहे।

घास की निराई हर माह तीन से चार बार करें।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग
ENVIRONMENT & FOREST DEPT., GOVT. OF BIHAR

टूयूब बैग में घास जमने पर हाथ से निकाले।

पोषक तत्व प्रबंधन

- नवजात पौधा कुछ दिनो के होने पर उसमें पानी और नाईट्रोजन युक्त या यूरिया खाद के घोल का छिड़काव करें ।

- पत्ते खाने वाले कीड़े लग गए है तो 0.5 प्रतिशत आल्ड्रीन एवं मीलथिओन दवा के मिश्रण का छिड़काव करें ।

बिहार सरकार
पर्यावरण एवं वन विभाग

योजना से लाभ

किश्त	छोटे टूयूब के लिये	बड़ें टूयूब के लिये
प्रथम किश्त	40 प्रतिशत टूयूब भराई के उपरान्त	20 प्रतिशत टूयूब भराई के उपरान्त
द्वितीय किश्त	60 प्रतिशत पौधा लेते समय	30 प्रतिशत उत्तरजीविता के अधार पर
तृतीय किश्त	–	50 प्रतिशत पौधा लेते समय

★निर्धारित मापदंड अनुसार पौधों की उत्तरजीविता पर।

पौधशाला से आपूर्तित पौधा को लगाने का तरीका

धन्यवाद